सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in   www.facebook.com/4pmnewsnetwork   @Editor_Sanjay   YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 288 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 29 नवम्बर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

-बिल गेट्स

गायकवाड़ पर भारी पड़ी मैक्सवेल के... 7 | पांच राज्यों के चुनाव बाद फिर तेज... 3 | शिक्षकों की मांगों की अनदेखी कर... 2

तीखी बहस के बीच अनुपूरक बजट पेश

- सपा प्रमुख ने योगी सरकार पर लगाया जनता की अनदेखी का आरोप
- योगी बोले- प्रदेश का करेंगे चहुमुखी विकास
- भाजपा सरकार ने 28 हजार 760 करोड़ का किया प्रावधान

फोटो: सुमित कुमार

» बिजली के मुद्दे पर डिप्टी सीएम पाठक व नेता प्रतिपक्ष में तकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारी हंगामे की बीच योगी सरकार ने बुधवार को विधानसभा में 28 हजार सात सौ साठ करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश कर दिया है। जिसमें लगभग साढ़े सात हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव नई योजनाओं के लिए किया गया। यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 का अनुपूरक बजट पेश किया। 28,760.67 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें 1946.39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च के लिए और 9714 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं।

नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। सीएम योगी ने कहा इस बजट से प्रदेश का सर्वांगिण विकास होगा। वहीं विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार केवल घोषणाएं करती है काम नहीं। अनुपूरक बजट को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के चतुर्मुखी विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। वहीं दूसरे दिन बिजली के मुददे पर ब्रजेश पाठक व अखिलेश यादव में जमकर तकरार भी हुई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदेश में अब तक एक भी पावर हाउस नहीं खोला है।

विकास योजनाओं को पूरा कराएंगे : ब्रजेश पाठक

अनुपूरक बजट को लेकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश के चतुर्मुखी विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। आज अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा...विभिन्न कार्य योजनाओं को हम पूरा करेंगे...। उन्होंने उत्तराखंड टनल से 41 लोगों रेस्क्यू की होने पर उत्तराखंड के सीएम को बधाई। विपक्ष पूरी तरह से डिरेल हो गया है। जब-जब विपक्ष की सरकार सत्ता में रही है तब तक भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। अन्य सरकारों में अपराधियों का बोलबाला था। जनता सब जानती है कि सपा के राज्य में गुंडाराज और अपराधियों का बोलबाला था। नई नियमावली को सभी को पालन करना चाहिए।

अनुपूरक बजट में खास

- योगी सरकार ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए 2000 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की है।
- पीएम मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं परिधान पार्क की स्थापना के लिए 510 करोड़ रुपये देने की घोषणा की गई है।
- उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति के क्रियान्वयन के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

7421.21

करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए प्रस्ताव है।

सपा कार्यकर्ताओं ने विधानमंडल परिसर में किया प्रदर्शन

समाजवादी पार्टी के विधायकों ने राज्य सरकार के खिलाफ राज्य विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। सत्र के दूसरे दिन सपा कार्याकर्ताओं ने विधानमंडल परिसर में किसानों, नौजवानों और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इससे पहले सत्र के शुरुआती दिन सपा विधायकों ने काले कपड़े पहनकर विधान सभा के अंदर लागू किए गए नई नियमावली का विरोध काले कपड़े पहन कर किया था।

सपा का विरोध केवल दिखावा : केशव प्रसाद

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, मैं समाजवादी पार्टी का इतिहास जानता हूं। जब वे सत्ता में थे तो खर्चा करने के नाम पर केवल कागजी कोरम को पूरा किया जाता था। इनका (सपा) विकास केवल कागज़ों पर होता था। अनुपूरक बजट लाना इसलिए जरूरी है क्योंकि बहुत सारे काम ऐसे हैं जो होने चाहिए। गरीब, प्रदेश के विकास, किसान, महिलाओं या नौजवानों के लिए कोई काम हो ये सपा को हजम नहीं होता।

सरकार किसानों का जीएसटी कम करे : अखिलेश

उत्तर प्रदेश विधानसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, क्या गेहूं सरकार ने खरीदा या निजी कंपनियों को खरीदवाया? मैं कहना चाहता हूं कि खेती के उपकरणों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से 18 प्रतिशत है। क्या डबल इंजन की सरकार किसानों की मदद के लिए जीएसटी कम करेगी या अपने खजाने से किसानों को सुविधा देगी?।

सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी : शिवपाल

सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव ने अनुपूरक बजट को आंकड़ों की बाजीगरी बताया है, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, आंकड़ों और अफसरों की फाइलों में सूबे का मौसम गुलाबी है। शिवपाल सिंह यादव ने विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले भी सरकार को घेरा था। उन्होंने खेती-किसानी, बिजली, सड़क, कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर असफल बताते हुए आरोप लगाया कि सरकार सदन में चर्चा कराने से भाग रही है।

यूपी विधानसभा का घेराव करने जा रहे अभ्यर्थियों की पुलिस से नोकझोंक, कई अभ्यर्थी हुए घायल

लखनऊ। पिछले 532 दिनों से लखनऊ के ईको गार्डेन में 6800 चयन सूची पर नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने बुधवार सुबह 9 बजे चारबाग से विधानसभा की तरफ हजारों की संख्या में कूच कर दिया। ये अभ्यर्थी विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे। पिछड़े और दलितों को न्याय दो... के नारे लगाते अभ्यर्थी लगातार विधानसभा की तरफ बढ़ रहे थे तभी पुलिस ने हुसैनगंज

चौराहे के पास बैरिकेडिंग करके अभ्यर्थियों को रोक लिया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और बसों में भरकर फिर से ईको गार्डेन भेज दिया। अभ्यर्थियों के अनुसार पुलिस की बर्बरता में कई अभ्यर्थी घायल हुए हैं। अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे विजय यादव ने बताया कि 5 जनवरी 2022 को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद आरक्षित वर्ग के 6800 अभ्यर्थियों की नियुक्ति के लिए सूची जारी कर दी गयी लेकिन नियुक्ति आज तक नहीं हो पाई। हम लोग सिर्फ एक मांग कर रहे हैं कि हमारी मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कराई जाए ताकि हमें नियुक्ति मिल सके। मागें न मानी गईं तो कल सुबह दोबारा विधानसभा का घेराव करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान सारिका चौरसिया, रीता शेखर, अन्नू पटेल, मालती वर्मा, अर्चना वर्मा, श्वेता, राजबहादुर, हसीन खरेला, योगेश को गंभीर चोटें आई हैं जिन्हें एम्बुलेंस से प्रशासन ने अस्पताल भेजा है।

(संबंधित फोटो पेज 8 पर)

शिक्षकों की मांगों की अनदेखी कर रही सरकार : अखिलेश

» सपा उठाएगी विस में आरक्षण का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र के दूसरे दिन आज योगी सरकार सदन में वर्ष 2023-24 के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। चार दिवसीय सत्र में विपक्ष ने सरकार को घेरने की पूरी रणनीति तैयार कर ली है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार 69000 शिक्षक भर्ती में अभ्यर्थियों को आरक्षण नहीं देना चाहती है। जिन अभ्यर्थियों को आरक्षण के तहत नौकरियां मिल जानी चाहिए थीं अब तक नहीं मिली।

उन्होंने संकेत दिए कि सपा आरक्षण का मुद्दा उठाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य को लेकर व्यवस्था बदहाल है। सड़कों पर जानवर घूम रहे हैं। पहले जारी किया गया बजट अभी तक खर्च नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जानबूझकर सत्र छोटा रखा है क्योंकि सरकार जनता के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है।

सरयू में स्नान कर रामलला के दर्शन करें अखिलेश : प्रमोद कृष्णम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम आजकल राम मंदिर के मुद्दे पर अपनी पार्टी पर ही हमलावर बने हुए हैं। इसबार उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को नई सलाह दी है। आचार्य ने कहा कि अखिलेश यादव को अयोध्या जाकर सरयू में स्नान करना चाहिए और रामलला के दर्शन करने चाहिए। गाजियाबाद के साहिबाबाद में अपने आवास पर बुधवार को बातचीत कर रहे थे। उधर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने अखिलेश पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष कन्फ्यूज है। यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हो चुकी है। सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने काले कपड़े पहनकर विरोध जताया। सपा सत्र की छोटी अवधि को लेकर सरकार पर हमलावर है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सपा मुखिया को बड़ा दिल दिखाकर कांग्रेस को अपना कार्यालय दे देना चाहिए।

गरीबों के हितों पर हो चर्चा : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सत्र मंगलवार से शुरू हुआ है। यह सत्र राज्य के समेकित व समग्र विकास तथा जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चाओं व अन्य जरूरी जिम्मेदारियों के निर्वहन के कारण प्रदेश हित में साबित होगा या फिर अन्य कारणों से औपचारिकता मात्र होकर ही रह जाएगा? सरकार व विपक्ष इस पर अवश्य ध्यान दे। मायावती ने एक्स पर जारी अपने बयान में आगे कहा कि देश की सर्वाधिक लगभग 25 करोड़ जनसंख्या वाला गरीब व पिछड़ा प्रदेश होने के नाते यूपी के समतामूलक विकास व प्रगति को लेकर केन्द्र व यूपी सरकार की विशेष जिम्मेदारियां हैं।

रैपिड रेल मामले में कोर्ट फिर सख्त

» आप सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई लताड़, कहा- आदेश का पालन न करना चिंताजनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम परियोजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार पर एक बार फिर से सवाल उठाते हुए कहा कि उनके पास विज्ञापन के लिए बजट बनाने के लिए प्रावधान हैं लेकिन इसके लिए नहीं, अदालत ने पूछा कि आखिर क्यों उनको सरकार की बांह मरोड़कर पैसे देने के लिए कहना पड़ता है, अदालत ने आदेश का अनुपालन न होने पर चिंता जाहिर की।

सुप्रीम कोर्ट ने पूरा पैसा रिलीज करने के लिए दिल्ली सरकार को और वक्त दिया। अब मामले की सुनवाई अदालत 7 दिसंबर को करेगी। मामले की सुनवाई करते हुए आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि दिल्ली सरकार के मुताबिक 415 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, लेकिन ये राशि एनसीआरटीसी के खाते में जमा नहीं हुई, उन्होंने कहा कि मंजूरी आदेश खुद कहता है कि आंशिक अनुपालन किया गया है। जस्टिस ने कहा कि इसका आंशिक अनुपालन नहीं बल्कि पूरा अनुपालन होना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करने वाले कागजात दिखाने को कहा।

आंशिक भुगतान पिछले सप्ताह किया गया

वहीं दिल्ली सरकार की तरफ से बताया गया कि रैपिड रेल मामले में आंशिक भुगतान पिछले शुक्रवार को ही किया गया है। पहले भी सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली सरकार को तगड़ा झटका लगा था. अदालत ने परियोजना को लेकर फंड न देने पर नाराजगी जताते हुए एक हफ्ते के भीतर 415 करोड़ रुपये देने का आदेश सरकार को दिया था। साथ ही कहा था कि अगर अगर फंड नहीं दिया तो दिल्ली सरकार के विज्ञापन बजट पर रोक लगाकर फंडिंग की जाएगी। इसके लिए अदालत ने दिल्ली सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दिया था।

रोजगार को छीन रही बीजेपी सरकार: कापड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रोजगार को छीन रही है। खनन के लिए नदियों को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी है। खटीमा विधायक भुवन कापड़ी के मुताबिक राज्य की तमाम नदियों को निजी हाथों में सौंपने का असर रोजगार पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर सरकार को बेरोजगारी की गंभीर समस्या नहीं दिखाई दे रही है। देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, नैनीताल की नदियों से खनन कार्य कराए जाने की तैयारी पूरी हो चुकी है, बहुत जल्द निजी हाथों में नदियों को नीलाम कर दिया जाएगा। भुवन कापड़ी ने चेतावनी दी कि राज्य सरकार को जनविरोधी काम करने से बाज आ जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

महिला पहलवानों ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ दायर की दलीलें

नई दिल्ली। महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले में डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों ने दलीलें दायर की। बृजभूषण शरण सिंह के वकील पहले ही दलीलें दाखिल कर चुके हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में शिकायतकर्ता महिला पहलवानों के वकील ने बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय करने पर लिखित दलीलें दायर की हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए मामले को 6 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। पक्षकार अगली सुनवाई तक अतिरिक्त लिखित दलीलें भी दाखिल कर सकते हैं।

राहुल को बताना होगा कैसे की जाती है राजनीति : ओवैसी

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उनका एकमात्र उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मुस्लिम और दलित नेता न बन सकें। राहुल गांधी ने मंगलवार को हैदराबाद में कहा कि सीएम केसीआर ने जिस कालेज में पढ़ाई की होगी, उसे कांग्रेस पार्टी ने बनवाया था। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी और पीएम मोदी को 2024 में बताऊंगा कि राजनीति कैसे की जाती है। राहुल गांधी के बयान पर ओवैसी बोले इनकी मोहब्बत की दुकान झूठी है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ओवैसी ने कहा कि आज मैंने एक कांग्रेस नेता का बयान देखा, जिसमें उन्होंने कहा कि केसीआर ने उस विश्वविद्यालय में पढ़ाई की है, जिसे कांग्रेस ने बनाया था। राहुल गांधी, आपका स्टेनोग्राफर कौन है। आपने किस विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है। क्या आपने कभी राहुल गांधी को तीन तलाक का विरोध करते हुए सुना है। नहीं सुना होगा। दुनिया को दिखाने के लिए आप इसे मोहब्बत की दुकान कहते हैं। लेकिन आपका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मुस्लिम और दलित नेता न बने सकें। ओवैसी ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि तेलंगाना में कई सीटों पर कांग्रेस, भाजपा और आरएसएस मिलकर लड़ रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस के तेलंगाना अध्यक्ष आरएसएस के साथ बड़े हुए हैं और आरएसएस की सोच उनके अंदर आज भी जिंदा है।

बिहार में मास्टरों की छुट्टी घटी, शिक्षा मंत्री बोले-सरकार के स्तर पर यह निर्णय नहीं हुआ

पटना। बिहार के स्कूलों में शिक्षा विभाग द्वारा जारी छुट्टियों को लेकर सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी जहां नीतीश सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगा रही है वहीं अधिकारियों की तरफ से सफाई दी जा रही है। इस बीच अब बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर का भी मीडिया के सामने बयान आया है। छुट्टियों के मामले पर जब एक मीडिया चैनल ने शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर से सवाल पूछा तो वह इससे अंजान नजर आए। उन्होंने कहा कि इस बारे में हमें पता ही नहीं है। मुझे यह जानकारी आपसे मिल रही है। यह सरकार के स्तर पर निर्णय नहीं लिया गया है। अगर कुछ गड़बड़ी हुई है तो हमलोग इसको संशोधित करेंगे। नीतीश सरकार पर भाजपा हुई हमलावर बिहार के स्कूलों में छुट्टियों में तथाकथित छुट्टियों को लेकर भाजपा ने नीतीश सरकार सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया है। भाजपा ने कहा कि सरकार की हिंदू विरोधी मानसिकता के लिए जनता सड़क पर भी उतर सकती है। सरकार को यह आदेश किसी भी हालत में वापस लेना होगा, वरना जनता उसे उखाड़ फेंकेगी। इससे पहले भी सरकार तुष्टीकरण वाले निर्णय लेती रही है और विरोध होने आदेश को वापस भी। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि चाहे रामनवमी-जन्माष्टमी हो या रक्षाबंधन, हिंदुओं के पर्व-त्योहार से जुड़ी हर छुट्टियां को कम कर दी गई है। दीपावली, छठ, दुर्गा पूजा की छुट्टियों में भी बड़े पैमाने पर कटौती की गई है। सरकार ने तुष्टीकरण के तहत ऐसा निर्णय किया है।

भाजपा कोर्ट जाकर करती है साजिश : ललन सिंह

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के मामले को पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अब इस मामले को लेकर बिहार में सियासत गरमा गई है। जनता दल यूनाइटेड ने इसे भाजपा की साजिश करार दिया है। ललन सिंह ने कहा कि बिहार में जाति आधारित गणना हुई, जिसके बाद माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में आरक्षण की सीमा को जरूरत के अनुसार बढ़ाया गया। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण विरोधी है। उनको आरक्षण पसंद नहीं है। बिहार में बिहार में जो जातीय गणना करवाया गया था। उसके आधार पर जो रिपोर्ट आई, उसके अनुसार आबादी के हिसाब से आरक्षण तय किया गया। सबसे पहले तो उन्होंने ही कानून तोड़ा जब 50 प्रतिशत से अधिक 10प्रतिशत सवर्ण का आरक्षण देकर इस नियम को तोड़ा था। जाति गणना हमलोगों ने करवाई। साधा आधार और तथ्यों को रखकर आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाया गया। ललन सिंह ने कहा कि आरक्षण के खिलाफ न्यायालय जाना भाजपा का पुराना काम है। नगर निकाय चुनाव रुकवाने के लिए यह लोग न्यायलय गए। नगर निकाय चुनाव भी हो गया। इसके बाद जाति आधारित गणना के विरोध में यह लोग सुप्रीमो कोर्ट तक गए। उनके सॉलिसिटर जनरल जाकर बहस किए। लेकिन, इससे बावजूद जाति आधारित गणना की रिपोर्ट पेश की गई।

विश्वकप विजेता का समर्थन करना भी अपराध

» सात छात्रों की गिरफ्तारी पर भड़कीं पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने विश्वविद्यालय के सात छात्रों की गिरफ्तारी को चौंकाने वाला बताया और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस मुद्दे पर गौर करने का अनुरोध किया। महबूबा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह चिंताजनक और चौंकाने वाली बात है कि कश्मीर में विश्व कप विजेता टीम का समर्थन करना भी अपराध हो गया है।

पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और अब छात्रों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे कठोर कानूनों को सामान्य रूप से लागू करने से जम्मू-कश्मीर में युवाओं के प्रति प्रशासन की क्रूर मानसिकता का पता चलता है। बाद में पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में महबूबा ने कहा, खेल तो खेल है, हमारे प्रधानमंत्री और उनसे पहले भी कई लोग मैच देखने गए और जो टीम अच्छा खेलती है उनका हौसला बढ़ाते हैं, वे विपक्षी टीम का भी हौसला बढ़ाते हैं। वे दावा करते हैं कि जम्मू-कश्मीर में चीजें ठीक हैं, फिर ऑस्ट्रेलिया की जीत का जश्न मना रहे कुछ छात्रों को लेकर इतना डर और व्याकुलता क्यों है? दरअसल, जम्मू-कश्मीर में एक विश्वविद्यालय के सात छात्रों को कथित तौर पर भारत विरोधी नारे लगाने और विश्व कप 2023 फाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम की हार का जश्न मनाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार कश्मीरी छात्र शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी (एसकेयूएएसटी)-कश्मीर में पढ़ रहे हैं और उन पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी की शिकायत पंजाब के एक गैर-स्थानीय छात्र द्वारा दर्ज की गई थी, जिसने दावा किया था कि टीम इंडिया का समर्थन करने के लिए आरोपी छात्रों द्वारा उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और धमकी दी गई।

छात्रों से असहमत पर पुलिस की कार्रवाई अनुचित : उमर

नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इन छात्रों ने जो किया उससे वह सहमत नहीं हैं। लेकिन पुलिस ने जिस तरह से इस मामले पर कार्रवाई की है, उससे भी सहमत नहीं हैं। उधर जम्मू कश्मीर पुलिस ने मंगलवार को छात्रों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज करने का बचाव किया। पुलिस ने कहा कि उन्होंने आतंकवाद विरोधी कानून का नरम प्रावधान लागू किया है। पुलिस ने कहा कि एफआईआर एक लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है और शिकायत की सामग्री के अनुसार धाराएं लगाई गईं थीं। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिनियम के अन्य प्रावधानों के विपरीत यह अधिनियम का एक नरम प्रावधान है। यूएपीए की धारा 13 किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को उकसाने या सलाह देने से संबंधित है। इसमें सात साल की जेल की सजा हो सकती है।

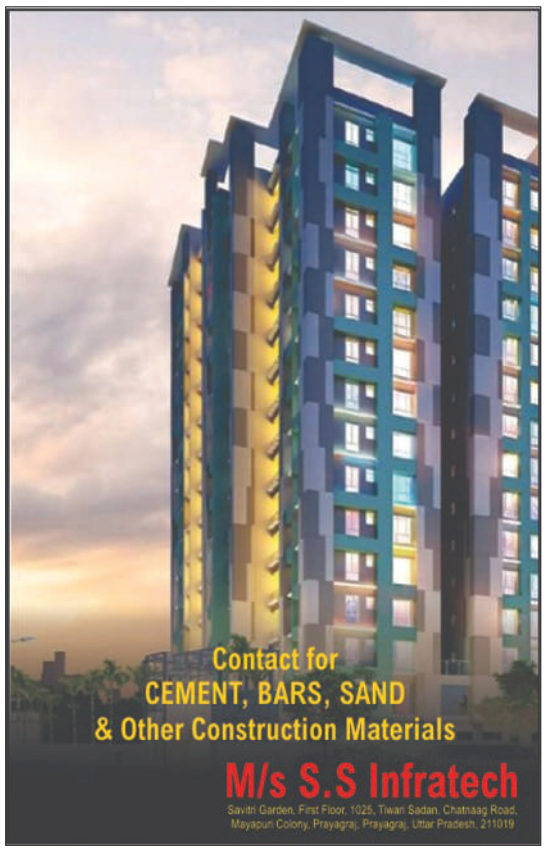

पांच राज्यों के चुनाव बाद फिर तेज होगी लोस-24 की रणनीतिक लड़ाई!

- कांग्रेस व बीजेपी ने कसे कमर
- एनडीए व यूपीए गठबंधन को भी ताकत देने की होगी कोशिश
- राहुल-खरगे, मोदी-नड्डा संभालेंगे कमान
- अखिलेश- स्टालिन की जुगलबंदी भी कुछ करेगी अलग
- कांग्रेस को मिली बढ़त तो बदलेगी तस्वीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चार राज्यों में चुनाव संपन्न हो गए हैं। सभी दलों को अब रिजल्ट का बेसब्री से इंतजार है। 28 नवंबर को तेलंगाना का चुनाव प्रचार अभियान शाम को खत्म हो गया। क्या राजग (एनडीए) क्या संप्रग (यूपीए) सभी अब 3 दिसंबर का इंतजार कर रहे हैं जब चुनाव परिणाम आएंगे। भाजपा, कांग्रेस या बीआरएस ने अपनी ताकत पूरी तरह झोंक दिया है ताकि सत्ता पाक सकें। विपक्ष इन पांच राज्यों के चुनाव को लोस सभा 2024 से पहले सेमीफाइनल मान रहा है तो बीजेपी इसको नकार रही है।

दरअसल, पांच राज्यों के चुनाव निपटने से पहले ही लोकसभा चुनाव के लिए उठा-पटक हो रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया में क्षेत्रीय दलों ने लामबंदी की कवायद शुरू कर दी है। इसी के तहत सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, स्टालिन से लेकर सभी नेता नई रणनीति बनाने में जुट गई। सपा मुखिया रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंचे गए, जहां उन्होने पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के प्रतिमा अनावरण समारोह में भाग लिया। इस दौरान डीएमके नेता और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से वे मौजूदा राजनीतिक स्थितियों पर चर्चा किया। वह अगले माह अखिलेश पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से भी मुलाकात कर सकते हैं। इंडिया गठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों का बंटवारा काफी हद तक इन राज्यों के चुनाव परिणामों पर भी निर्भर करेगा।

सूत्रों का मानना है कि कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहने की स्थिति में वह अधिक सीटों के लिए दबाव बनाएगी। अन्य दल भी चुनाव परिणामों का अपने नजरिये से विश्लेषण करेंगे और उसके आधार पर सीटों का बंटवारा चाहेंगे। मध्य प्रदेश के चुनाव में जिस तरह से सपा और कांग्रेस के रिश्ते तल्ख हुए, उसका असर यूपी की लोकसभा सीटों के बंटवारे पर पड़ सकता है। सपा सूत्रों के मुताबिक, वैसे भी सीटों की साझेदारी के उसके पिछले अनुभव अच्छे नहीं रहे हैं। चाहे, वह कांग्रेस के साथ रहा हो या फिर बसपा के साथ। क्षेत्रीय दलों को गठबंधन राजनीति का एक खतरा अपना वोट बैंक खिसकने का भी रहता है। यूपी में इसका उदाहरण कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, जो 60 व 70 के दशक में लोकसभा की 4-5 सीटें जीतती थीं, लेकिन 1989 में जनता दल के साथ गठबंधन में गईं और उनका वजूद ही खत्म होता गया। इंडिया गठबंधन में शामिल एक प्रमुख रणनीतिकार बताते हैं कि गठबंधन के खतरे कमोबेश सभी राजनीतिक दल भलीभांति समझते हैं। कांग्रेस जहां थोड़ी भी ताकतवर होती है, आंख दिखाने से गुरेज नहीं करती। यही वजह है कि समान सोच की प्रमुख क्षेत्रीय शक्तियां इंडिया गठबंधन के अंदर अपना मजबूत फ्रंट बनाए रखना चाहती हैं, ताकि कांग्रेस उन पर हावी न हो सके।

भाजपा भी पूरे कलेवर में आएगी

पहला अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन करना और दूसरा विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाना। पार्टी के प्रदेश महामंत्री आदित्यराम कोठारी के मुताबिक, इन दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार हो गई है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद प्रदेश भाजपा नए एक्शन में दिखेगी। चुनाव परिणाम को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश संगठन के लिए लोक सभा चुनाव की तैयारी को लेकर नए कार्यक्रम भेजेगा। अभी पार्टी को केवल प्रमुख कार्यक्रमों पर पूरी तरह से फोकस करने के निर्देश हैं। पहला अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन करना और दूसरा विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाना। पार्टी के प्रदेश महामंत्री आदित्यराम कोठारी के मुताबिक, इन दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार हो गई है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अभी तक केंद्रीय नेतृत्व का पूरा फोकस पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव पर था। तीन दिसंबर को चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी अपनी पूरी ताकत लोकसभा चुनाव के लिए फूंक देगी। इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व प्रदेश संगठन को लोकसभा चुनाव को फोकस में रखते हुए नए कार्यक्रम देगा। इन कार्यक्रमों के साथ प्रदेश में भाजपा नए एक्शन में दिखेगी। राज्य की पांचों लोकसभा सीटों पर अपना वर्चस्व बनाने के लिए अभी पार्टी का दो प्रमुख कार्यक्रमों पर फोकस है।पार्टी के प्रदेश महामंत्री कोठारी का कहना है कि पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के बाद सांगठनिक गतिविधियों को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से नए दिशा-निर्देश प्राप्त होंगे। एस पार्टी एक दिसंबर को विकासनगर और तीन दिसंबर को नानकमत्ता में अनुसूचित जनजाति वर्ग से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं का सम्मेलन करने जा रही है। पार्टी का मानना कि लोकसभा चुनाव में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उसे अनुसूचित जनजाति वर्ग को अपने साथ जोड़ना होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने जो 23 विस सीटें हारी हैं, उनमें चकराता, खटीमा, नानकमत्ता, बदरीनाथ, धारचूला में उसे हार का मुंह देखना पड़ा। इन सभी सीटें अनुसूचित जनजाति बहुल हैं या इनमें उनका प्रभाव है। पार्टी की अनुसूचित जाति वर्ग में भी अपनी तगड़ी पैठ बनाने की रणनीति है, इसलिए हल्द्वानी और हरिद्वार में अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े कार्यकर्ताओं, नेताओं और इनसे जुड़े संगठनों के लोगों के साथ बड़े सम्मेलन होने हैं। दो दिसंबर को हल्द्वानी में एससी का सम्मेलन तय हो चुका है। हरिद्वार में सम्मेलन की तिथि जल्द तय हो जाएगी। पहले यह सम्मेलन 30 नवंबर को होना था, लेकिन इस तारीख को मुख्यमंत्री नैनीताल में लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम करेंगे। इसके चलते सम्मेलन की नई तिथि तय जल्द होनी है। भाजपा के सभी सांसदों, विधायकों, पंचायत और निकाय जनप्रतिनिधियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए पांच-पांच दिन प्रवास करने के निर्देश दिए गए हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता को केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास योजनाओं की जानकारी देंगे।

कांग्रेस महिलाओं किसानों व युवाओं और करीब लाएगी

कांग्रेस ने पांचों राज्यों के चुनाव में अपने घोषणापत्र में किसानों, युवाओं , महिलाओं पर ज्यादा फोकस रखा,आने वाले लोक सभा चुनाव में वह और अधिक इसी वर्ग को अपने और करीब लानेका प्रयास करेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में वादा किया है कि किसानों के लिए स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों के मुताबिक एमएसपी का कानून लाया जाएगा। चिरंजीवी बीमा की राशि को 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया जाएगा। कांग्रेस ने घोषणापत्र के जरिए प्रदेश के युवाओं को भी साधने की कोशिश की है। कांग्रेस ने वादा किया है कि चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी। साथ ही 10 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। कांग्रेस ने वादा किया है कि पंचायत स्तर पर सरकारी नौकरी का नया काडर बनाया जाएगा। कांग्रेस ने घोषणापत्र में प्रदेश की महिलाओं को भी साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस ने वादा किया है कि गैस सिलेंडर अभी 500 रुपये का मिल रहा है, उसे 400 किया जाएगा। साथ ही परिवार की महिला मुखिया को हर साल 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। राज्य में आरटीई कानून लाकर इसके तहत निजी शिक्षण संस्थाओं में भी 12वीं तक की शिक्षा फ्री की जाएगी। मनरेगा और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार में 125 से बढ़ाकर 150 दिन किया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सांस्कृतिक मामलों में सोच बड़ी रखें

कलाकारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज करते हुए अदालत ने फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। जानकारी के अनुसार फैज अनवर कुरैशी एक सिने कार्यकर्ता और कलाकार होने का दावा करते हैं।

पाकिस्तानी कलाकारों को भारत आने से रोकने वाली याचिका पर अदालत यह कहना कि व्यक्ति की सोच को बड़ा रखना चाहिए। यहएक उचित टिप्पणी है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी पाकिस्तान के कलाकारों को प्रतिबंधित करने की मांग खारिज कर दी है। अदालत में दायर याचिका में अपील की गई थी कि पाकिस्तानी कलाकारों को भारत में प्रदर्शन या काम करने की अनुमति न दी जाए। कलाकारों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज करते हुए अदालत ने फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। जानकारी के अनुसार फैज अनवर कुरैशी एक सिने कार्यकर्ता और कलाकार होने का दावा करते हैं। अदालत ने कुरैशी से कहा कि आपको इस अपील पर बार-बार जोर नहीं देना चाहिए। आपको इतनी छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों को हटाने की दलील देने से भी इनकार कर दिया।

इससे पहले, बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के कलाकारों को प्रतिबंधित करने की मांग खारिज कर दी थी। अदालत ने देशभक्ति के इजहार पर भी अहम टिप्पणी की थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि देशभक्त होने के लिए किसी को विदेश से, विशेषकर पड़ोसी देश से आए लोगों या कलाकारों के प्रति शत्रुतापूर्ण होने की जरूरत नहीं है। याचिका में केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि किसी भी पाकिस्तानी कलाकार पर, भारतीय नागरिकों, कंपनियों, फर्मों और एसोसिएशनों में काम पर रखने, काम ऑफर करने, उनकी किसी भी सेवा को लेने या किसी भी एसोसिएशन में प्रवेश करने आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया जाए। जिन लोगों पर प्रतिबंध की मांग की गई है, इनमें सिने कर्मी, गायक, संगीतकार, गीतकार और तकनीशियन शामिल हैं। बंबई की अदालत ने याचिका खारिज कर अपनी टिप्पणी में कहा था कि सांस्कृतिक सद्भाव, एकता और शांति को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया कदम नहीं है। कोर्ट ने आगे कहा था कि भारत में आयोजित होने वाले क्रिकेट विश्व कप 2023 में पाकिस्तान की क्रिकेट टीम हिस्सा ले रही है। ऐसा केवल अनुच्छेद 51 के अनुरूप समग्र शांति और सद्भाव के हित में भारत सरकार की तरफ से उठाए गए सराहनीय और सकारात्मक कदमों के कारण हुआ है।

फैसला या टिप्पणी तो उचित है लेकिन ये भी ध्यान देने की जरूरत है कि जब देश के मामले होते हैं तो खेल व सांस्कृतिक संबंधों पर प्रभाव पड़ता ही है। और तब इस तरह के प्रतिबंध भी लगाए जा सकते है इतना जरूर है हमेशा ऐसा करना अनुचित है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आत्मनिर्भरता का मंत्र ही बचाएगा आर्थिकी

सुरेश सेठ

इस समय विश्वभर में महंगाई व ब्याज दरों के बढ़ने और आपूर्ति गड़बड़ाने से महंगाई व महामंदी का दौर है, बेकारी का आलम है और संपन्न देशों में भी खाद्यान्न संकट है। लेकिन भारत के बारे में कहा जा रहा है कि हमारी निवेश दर और उपभोक्ता मांग का स्तर, भारतीय अर्थव्यवस्था को आसन्न आर्थिक संकट से बचा लेगा। पिछले दिनों मूडीज की निवेश सेवा ने भी भारत के आर्थिक परिदृश्य के लिए जो भविष्यवाणी की है, वह आशा बंधाती है। मूडीज कहता है कि भारत 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बनाए रख सकेगा। ऐसे में विदेशी पूंजी निवेशक के बाहर निकलने से भी भारतीय आर्थिकी पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, जो आशावाद और सुनहरे भविष्य का पर्याय है।

वास्तविक घरेलू आय को देख लीजिए। मार्च के त्रैमासिक में अगर इसकी विकास दर 6.1 प्रतिशत थी तो जून की तिमाही में 7.8 प्रतिशत हो गई। उसके बाद यही विकास दर की गति जुलाई-सितम्बर की तिमाही में भी बनी रही। उपभोक्ताओं का आशावाद साफ दिखाता है कि ब्याज दरें बढ़ने के बावजूद ऋण में वृद्धि होगी। यह वृद्धि दो अंकों में भी हो सकती है। जिस मांग के पतन की आशंका थी, वह एक दूसरा ही पक्ष दिखाने लगी। यह पक्ष भी ऐसा था कि देश के लोगों ने महंगे फ्लैट, महंगी कारों की मांग में अत्यधिक वृद्धि कर दी। ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लेकर भी अपनी इच्छाओं को पूरा करने की परवाह नहीं की। दूसरी ओर मुद्रास्फीति का सूचकांक भी उपभोक्ताओं का थोड़ा-सा धीरज बंधा गया। सितम्बर महीने में हमने मुद्रास्फीति की दर को 6.8 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक गिरते हुए देखा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी पिछले दिनों कहा कि एक ओर हम मुद्रास्फीति पर नियंत्रण कर रहे हैं और दूसरी ओर आर्थिक विकास दर को गतिशील बनाने का प्रयास कर रहे हैं। बल्कि उसके बढ़ने की उम्मीद अगले दो-तीन साल में भारत को पांचवीं आर्थिक महाशक्ति से तीसरी आर्थिक महाशक्ति बना देने की संभावना बता रही है। हम इस विकट स्थिति से इसलिए निकल पाए क्योंकि भारत के घरेलू निवेशकों ने अपनी अर्थव्यवस्था पर भरोसा करते हुए ब्याज दरों के बढ़ने के बावजूद निवेश दर को घटाया नहीं।

भारत के संपन्न होते हुए मध्यवर्ग ने अपनी देर से लंबित इच्छाओं की पूर्ति के लिए महंगी चीजों की मांग भी बढ़ा दी, जिसको पिछले उत्सव दिनों

में भी देखा गया है। नतीजा यही है कि देश की फैक्टरियां रुकी नहीं। नौकरियों में जो छंटनी की आशंका थी, वह नहीं हुई। उसके साथ-साथ सरकार ने अनुकम्पा और उदार सस्ते अनाज का अभियान चलाया, उससे भी देश में वह हालात पैदा नहीं हुए जो किसी अवसादग्रस्त मंदी के वातावरण में पैदा हो जाते हैं। लेकिन इस संतोष और धीरज भरे आर्थिक वातावरण में भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की बढ़ती हुई श्रमशक्ति को उचित रोजगार प्राप्त नहीं हो रहा। उदार अनुकम्पा जिंदगी को चला नहीं सकती, उसे केवल जिंदा रख सकती है। श्रमशक्ति को भारतीय लघु और कुटीर उद्योगों का संबल रोजगार दे रहा है। आधुनिक उद्योगों का सिलसिला संपन्न वर्ग के रोजगार के अवसरों को कम करने पर जोर देता है, जिससे युवाओं में बेहतर रोजगार के लिये पलायन का खतरा बढ़ जाता है। पिछले साल रिकार्ड स्तर पर भारतीय प्रवासियों ने अपनी नागरिकता छोड़ने की अर्जियां दी हैं। भले ही घरेलू मांग की वृद्धि दिखाते हुए भारत ने मंदी का मुंह मोड़ दिया। लेकिन याद रखिए, यह अच्छे दिनों की आमद की सूचना नहीं है। अच्छे दिन तभी आते हैं जब देश की जनता को रोजी-रोटी और रोजगार की सुरक्षा मिल जाए। अधिकतर नौजवान या तो रियायती अनाज पर जीने का भरोसा किए हैं या विदेशों के सपने के साथ यहां से पलायन कर जाना चाहते हैं। जो पराजित और थके-हारों में शामिल हो गए, उनके लिए तो नशों का अंधेरा है ही। देश में स्थायी मंदी तभी टल सकेगी अगर काम करने वाले हाथों को यथोचित काम मिल जाए। डिजिटल या स्वचालित निर्माण व्यवस्था के साथ रोजगारपरक लघु और कुटीर उद्योगों का एक ऐसा संतुलन पैदा कर दिया जो कि जरूरी वस्तुओं की मांग में भी कमी न आए।

आम आदमी के काम की अपेक्षा की सुध ली जाए, तभी देश में स्थायी विकास होगा। इस समय मूल्य सूचकांकों में एक त्रुटि हमें नजर आ रही है कि इनका गिरना रोजमर्रा के इस्तेमाल के खाद्य पदार्थों और सब्जियों की कीमतों के गिरने पर ही निर्भर करता है। जैसे ही इनकी आपूर्ति में कुछ गड़बड़ पैदा होती है और इनकी कीमतें उछलती हैं तो साथ ही मूल्य सूचकांक भी खतरे की हद को स्पष्ट करने लगता है। और महंगाई का बोलबाला आम आदमी की जिंदगी को दूभर बनाने लगता है। पूंजी निवेश ही इसका एकमात्र हल है और उसके लिए घरेलू निवेश के साथ-साथ विदेशी निवेश को आकर्षित करने का भी एक संतुलन बनाना पड़ेगा।

खामोश रहकर खुद को तपाने में ही कामयाबी

आज जाने क्या हो गया है नई पीढ़ी को कि हम हर समय सफलता पाने के लिए 'शार्ट कट' ढूंढ़ने लगे हैं। सब जानते हैं कि सफलता 'परिश्रम की चेरी' होती है, लेकिन फिर भी मन यही चाहता है कि 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चोखा आ जाए।' यह सर्वविदित तथ्य है कि कड़े परिश्रम से ही सफलता का आलिंगन किया जा सकता है। इस तथ्य को नई पीढ़ी भूलने लगी है।

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

यह हमारे दौर का बड़ा संकट है कि लोग रातो-रात कामयाबी हासिल करने के सपने देखने लगते हैं। लेकिन उसके लिये जो परिश्रम व धैर्य हमारी सफलता के लिए चाहिए होता है, उसके लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर नहीं आते। यह वक्त की विडंबना ही कही जाएगी कि हर किसी व्यक्ति को हर चीज फटाफट ही चाहिए होती है। आज जाने क्या हो गया है नई पीढ़ी को कि हम हर समय सफलता पाने के लिए 'शार्ट कट' ढूंढ़ने लगे हैं। सब जानते हैं कि सफलता 'परिश्रम की चेरी' होती है, लेकिन फिर भी मन यही चाहता है कि 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चोखा आ जाए।' यह सर्वविदित तथ्य है कि कड़े परिश्रम से ही सफलता का आलिंगन किया जा सकता है। इस तथ्य को नई पीढ़ी भूलने लगी है। विश्व साहित्य में सम्मिलित हिन्दी महाकाव्य 'कामायनी' में महाकवि जयशंकर प्रसाद ने प्रलय के पश्चात 'चिंता' में डूबे मनु को यही तो संजीवनी मंत्र दिया था, जिसे आज की भौतिकतावादी भागदौड़ में हमने भुला दिया है :-

'तपस्वी! क्यों इतने हो क्लांत?
वेदना का यह कैसा वेग?
आह, तुम कितने अधिक हताश,
बताओ, कैसा यह उद्वेग?'

जीवन का सबसे बड़ा सच तो यही है न कि जब हम हिम्मत हार जाते हैं, तो सफलता दूर छिटक जाती है। सही मायने में हिम्मत और दृढ़ विश्वास से हारी बाजी भी जीत में बदल जाती है। सारे दुनिया जहान को फक्कड मस्त कबीर तो युगों से चेताता आ रहा है:-

'करता था तो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से खाय।'

कहने का अभिप्राय यह है कि यदि हमने अपनी सफलता के अच्छे बीज बोये तो जीवन की बगिया में निश्चित रूप से फलदार वृक्ष फलों से लद जाएंगे। लेकिन यदि हमने बुराई और अकर्मण्यता के बीज बोये तो मीठे फलों की कैसे उम्मीद कर सकते हैं? आज फिर एक शुभचिंतक ने मुझे 'सफलता' का रहस्य समझाने वाली बड़ी रोचक बोधकथा भेजी है। जो इतनी प्रेरक व अनुकरणीय है कि इस पाठकों के साथ साझा किया जाना दायित्व बनता है।

'प्राचीन समय की बात है। एक बार एक नौजवान लड़के ने बुजुर्ग से पूछा कि मुझे विस्तार से बताएं कि वास्तव में सफलता का रहस्य क्या है? बुजुर्ग युवक का सवाल सुनकर जोर से हंसे और बोले कि तुम कल मुझे नदी के किनारे मिलो, तुम्हारे सवाल का जवाब वहीं दूंगा। अगले दिन बुजुर्ग और नौजवान नदी किनारे मिले। तभी बुजुर्ग ने नौजवान से उसके साथ नदी की मंझधार की तरफ बढ़ने को कहा।

बुजुर्ग की बात का विश्वास करके युवक ने ऐसा ही किया। और जब, आगे बढ़ते-बढ़ते नदी का पानी युवक के गले तक पहुंच गया, तो अचानक बुजुर्ग उस लड़के का सिर पकड़ कर पानी में डुबोने लगा और युवक छटपटाने के साथ ही बुजुर्ग के पंजे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने लगा। हुआ यह कि बुजुर्ग ताकतवर था और उसने युवक को तब तक डुबोये रखा, जब तक वो मरणासन्न नहीं हो गया। फिर बुजुर्ग ने उसका सिर पानी से बाहर निकाल दिया। सिर बाहर निकलते ही जो चीज उस लड़के ने सबसे पहले की, वो थी 'हांफते-हांफते तेजी से सांस लेना'। बुजुर्ग ने उसकी पीठ सहलाते हुए पूछा, 'जब तुम डूब रहे थे, तो तुम सबसे ज्यादा क्या चाहते थे?'

लड़के ने उत्तर दिया, 'सिर्फ सांस लेना।' इस पर उन बुजुर्ग ने कहा, 'बस, यही सफलता का रहस्य है। जब तुम सफलता को भी उतनी ही बुरी तरह और शिद्दत से चाहोगे, जितना कि तुम 'सांस लेना' चाहते थे, तो सफलता तुम्हें मिल जाएगी।' इसके सिवाय और कोई रहस्य सफलता पाने का संसार में नहीं है।' नि:संदेह, यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है। यह सोलह आने सच है कि अपने जीवन में जिस चीज को पाने के लिए हम प्राणों को बचाने जैसा परिश्रम करने का जज्बा खुद में पैदा कर लेंगे, निश्चय जानिए कि वो चीज हम को अवश्य मिल जाएगी। कहने का अभिप्राय: यह है कि सफलता पाने के लिये प्राणपण से जुटना पड़ता है। तभी कहा जाता है सफलता परिश्रम की दासी होती है। इसके अलावा हमारी सफलता के मूल में कई घटक भी होते हैं। सच यह भी है कि सफलता पाने के लिए मन और कर्म की एकाग्रता बहुत जरूरी है। सफलता को पाने की जो चाहत है, उसमें ईमानदारी होना बहुत जरूरी है। जब आप वो एकाग्रता और ईमानदारी पा लेते हैं, तो सफलता आपको मिल ही जाती है!

तो, आइए, आज अपने प्रयत्नों में निश्चित रूप से सफलता पाने के लिए हम भी दृढ़ता से कर्म करने का संकल्प लें।

'जो सिर्फ शोर मचाते हैं भीड़ में,
वे भीड़ ही बन कर रह जाते हैं।
वही पाते हैं कामयाबी दुनिया में,
जो खामोशी से खुद को खपाते हैं।'

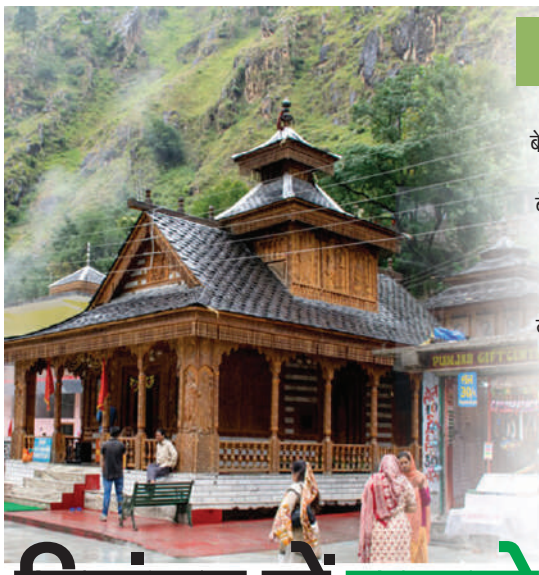

कसोल

सर्दियों में कसोल जाना बेहतर विकल्प हो सकता है। कसोल के नजारे बेहद सुंदर हैं। खूबसूरत वादियों के बीच तस्वीरें क्लिक करा सकते हैं। दिल्ली से कसोल की दूरी लगभग 482 किमी है। साढ़े 10 घंटे का सफर तय करके यहां पहुंचा जा सकता है। कसोल का सफर बजट में किया जा सकता है।

डलहौजी

डलहौजी भारत के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक है। देवदार के जंगलों से ढकी परत शानदार नजारे दिखाती हैं। डलहौजी एक ऐसा हिल स्टेशन है जहां लोग अपनी छुट्टियां बिताने की प्लानिंग करते हैं। कई बार डलहौजी घूमने के लिए लोगों को अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं क्योंकि वो सही से बजट की प्लानिंग नहीं कर पाते हैं।

दिसंबर में घूमने के लिए इन जगहों पर जाते हैं लाखों पर्यटक

दिसंबर में सर्दी बढ़ जाती है। इस महीने क्रिसमस और न्यू इयर ईव मनाया जाता है। इस बार क्रिसमस से पहले वीकेंड और न्यू ईयर ईव भी वीकेंड पर मनाया जा रहा है। ऐसे में दिसंबर में जो लोग घूमने की योजना बना रहे हैं, उनके लिए यह वक्त बेहतरीन है। दिसंबर और न्यू ईयर वीकेंड पर घूमने जाने के लिए अभी से बुकिंग करा लें क्योंकि इस मौके पर पर्यटन स्थलों पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। बुकिंग से पहले जगह का चयन कर लें। दिसंबर में घूमने के लिए लोग कुछ खास जगहों पर जाना काफी पसंद करते हैं। दिसंबर माह में इन पर्यटन स्थलों की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है।

बिनसर

रानीखेत के बिनसर में श्री स्वर्गाश्रम बिनसर महादेव मंदिर आदिकाल का बताया जाता है। कुछ जानकारों का मानना है कि यह मंदिर 600 साल पुराना है। इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग है। इसके अलावा बिनसर लुभावनी नंदा देवी, त्रिशुल और पचाचूला चोटियों से घिरा है। जीरो पॉइंट से नंदा देवी और केदारनाथ जैसी हिमालय की चोटियों का मनमोहक दृश्य देख पाएंगे। दिल्ली से बिनसर 411 किमी दूर हैं।

मनाली

हिमाचल प्रदेश में कई हिल स्टेशन व सुंदर पर्यटन स्थल है। इनमें से एक मनाली है। दिसंबर महीने में मनाली एक्सप्लोर किया जा सकता है। इस शांत हिल स्टेशन की सुंदरता पर्यटकों को बहुत पसंद आती है। मनाली शहर के कुछ बेहतरीन कैफे और रेस्टोरेंट से घिरा हुआ है। यहां आपको इंटरनेशनल कैफे भी मिल जाएंगे, जिनका खाना लोगों को उंगलियां चाटने पर मजबूर कर देता है।

शिमला

सर्दियों में सबसे अधिक लोग हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। हिल स्टेशन का जिक्र होते ही सबसे पहले शिमला याद आता है। शिमला हिमाचल प्रदेश में स्थित मशहूर हिल स्टेशन है। यहां दिसंबर के मौके पर बर्फबारी होती है। हरियाली के बीच बर्फ से ढके इस हिल स्टेशन पर सुकून भरा वक्त बिता सकते हैं। यहां कई एडवेंचर स्पोर्ट्स हैं, जिसका लुत्फ आप उठा सकते हैं।

हंसना मना है

उसने मुझसे पूछा-चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी-को न पता चले तब तक।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

लड़का- मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूं, लड़की का बाप- कितना कमा लेते हो। लड़का- 19000 हजार महीना। लड़की का बाप- 15000 मैं अपनी बेटी को पाकेट मनी देता हूं। लड़का- वो मिलाके के ही बोल रहा हूं अंकल।

पत्नी - हमेशा मेरा आधा माथा दुखता है, लगता है डॉक्टर को दिखाना पड़ेगा। पति -अरे उसमें डॉक्टर को क्या बताना! वो तो जितना है उतना दुखेगा ही। बस तब से ही पति का पूरा बदन दु:ख रहा है।

पति अपनी पत्नी से - मेरी शर्ट को उल्टी करके प्रेस करना। पत्नी- ठीक है, कुछ देर बाद, पति- मेरी शर्ट को प्रेस कर दिया क्या, पत्नी- नहीं अभी नहीं, पति- क्यों? पत्नी- अभी मुझे उल्टी ही नहीं आ रही तो उल्टी करके कैसे प्रेस करूं। पति बेहोश।

कहानी | एक सत्संग ऐसी भी

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के एक घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहां जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। सेठजी संत की हालत देख कर चुप-चाप वहां से निकल जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है कि तेरे किस्मत ही खराब है जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नही सेठजी में सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां हैं। सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया, मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

शिक्षा-इस कहानी से तात्पर्य ये है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बाते करते हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में हीं उलझा रहता हैं। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते है जिसमे हमारा स्वार्थ सिद्ध होता हैं। हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्व देना चाहिये और जिस झूठ और अहंकार को हम धारण किये हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आपको कुछ करने के लिए एक अप्रत्याशित निमंत्रण मिल सकता है। कुछ नए विचार आपके दिमाग में आयेंगे। निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगे।

वृषभ आज समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। ऑफिस में कुछ दोस्तों के सहयोग से प्रोजेक्ट पूरा होगा। जो विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं उनके लिए आज का दिन फेवरेबल है।

मिथुन आज का दिन मन को संतोष देने वाला रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज अपने साथी से कोई उपहार व सम्मान प्राप्त हो सकता है, जिससे उनके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी।

कर्क आज लगन और मेहनत पर लोग गौर करेंगे और आज इसके चलते कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जितना आपने सोचा है, आपके दोस्त उससे ज्यादा मददगार साबित होंगे।

सिंह आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। किसी खास व्यक्ति से आपको कोई बड़ा फायदा होगा। ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या आज आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा, क्योंकि उसमें गिरावट आ सकती है और अपने खान-पान पर नियंत्रण रखें। प्यार में रिश्ते सामान्य बनेंगे।

तुला नौकरीपेशा लोगों को अचानक धन लाभ हो सकता है। प्रमोशन का रास्ता भी खुल सकता है। अत्यधिक खर्च से आर्थिक तंगी अनुभव करेंगे।

वृश्चिक आज अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगायेंगे। शैक्षणिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। प्रियतम के साथ प्यारभरी बातें होंगी।

धनु आज का दिन सामान्य रहने वाला है। आपको अपने परिवार के सदस्यों के लिए कोई निर्णय लेने से पहले परिवार के वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरा अवश्य करना होगा।

मकर आज का दिन खुशियों भरा है। किसी रुके कार्य के पूर्ण होने से खुश रहेंगे। धन का आगमन हो सकता है। किसी से आंखें चार होनी की काफी संभावना है।

कुम्भ आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपनी काबिलियत से सभी काम को सरलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा।

मीन आज रोजगार की दिशा में प्रयास कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी लेकर आएगा। आज उनको मन मुताबिक परिणाम सुनने को मिल सकता है, जिसके कारण वह प्रसन्न रहेंगे।

बेटी को बचाने के लिए जान की बाजी लगाएंगे दसरू

हाल ही में मनोज बाजपेयी की अपकमिंग फिल्म जोरम का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च हुआ है। फिल्म में एक्टर छोटी बच्ची के पिता का किरदार निभाते नजर आ रहे हैं। देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में मनोज बाजपेयी का किरदार लोगों को काफी पसंद आ रहा है। वहीं, ट्रेलर में एक्टर का इंटेंस लुक फैंस को बहुत इंप्रेस कर रहा है। बता दें, देवाशीष भोंसले इसी तरह की मजबूत और धमाकेदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। बात करें फिल्म की कहानी की तो एक पिता अपनी तीन महीने की बेटी को बचाने के लिए एक शहर से दूसरे शहर भाग रहे हैं। फिल्मी मनोज बाजपेई ने इस बच्ची के पिता की भूमिका निभाई है।

ट्रेलर में देखा जा सकता है कि मनोज बाजपेयी का किरदार दसरू अपने परिवार के साथ गांव में रहता है, लेकिन आगे चलकर उनकी जिंदगी में एक बड़ा मोड़ आता है, जब उन्हें अपनी जान बचाने के लिए गांव छोड़कर मुंबई जाना पड़ता है। दसरू अपनी तीन महीने की बेटी को बचाने के लिए भाग

रहा है। वहीं जीशान अय्यूब का किरदार पुलिस अधिकारी रत्नाकर दसरू को पकड़ने के मिशन पर हैं और इसके लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए मनोज बाजपेयी ने कहा मैं जोरम का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं।

जोराम का शानदार ट्रेलर हुआ रिलीज

कब रिलीज होगी फिल्म?

जोरम 8 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित सर्वाइवल थ्रिलर में स्मिता तांबे और जीशान आयूब भी अहम किरदार में हैं। फिल्म को देवाशीष ने ही लिखा है। इसका निर्माण शारिक पटेल, आशिमा अवस्थी चौधरी, अनुपमा बोस और देवाशीष मखीजा ने किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

'कभी अलविदा न कहना' के बाद हुए थे काफी तलाक : रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी ने एक इंवेट में अपनी फिल्म कभी अलविदा न कहना को लेकर कई खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने कहा है कि फिल्म रिलीज के बाद तलाक की दर में वृद्धि काफी बढ़ गई थी। रानी मुखर्जी ने कहा कि यह फिल्म आंखें खोलने वाली थी। रानी मुखर्जी ने कहा कि मुझे लगता है कि कभी अलविदा न कहना के बाद बहुत सारे तलाक हुए। बहुत सारे लोग थिएटर जा रहे थे। अत्यधिक असुविधा के साथ फिल्म देख रहे थे। मुझे लगता है कि यह वह प्रतिक्रिया है जो करण को उनकी फिल्म के लिए मिली थी। मुझे लगता है कि इस फिल्म ने कई लोगों की आंखों खोल दी थी। उन्होंने खुश होने का फैसला लिया। अभिनेत्री ने अपने माया के किरदार पर बात करते हुए कहा कि माया का किरदार बेहद खूबसूरत था। वह ऋषि को अलग झमता और दोस्त के रूप में प्यार करती थी। शाहरुख के किरदार में वह रोमांस मिला जिसकी उन्हें हमेशा से तलाशा थी। रानी मुखर्जी ने कहा करण जौहर ने उस समय ऐसी फिल्म बनाई जो समय से आगे थी। इवेंट में रानी मुखर्जी ने आगे बताया है कि फिल्म अलविदा न कहना है मं शाहरुख-रानी के बीच इंटीमेट सीन थे। इन सीन्स की वजह से दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। आदि ने करण को किया था फोन- आदि ने करण को बोला था कि मुझे नहीं लगता है कि फिल्म में इतना बोल्ड सीन फिल्माना चाहिए। भारत में इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। फिल्म अलविदा न कहना साल 2006 में रिलीज हुई थी।

इंतजार खत्म: अगले महीने रिलीज होगा फाइटर का टीजर

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फाइटर की बात करें तो यह बॉलीवुड की एरियल एक्शन फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन के अलावा दीपिका पादुकोण और अनिल फाइटर पायलट की भूमिका निभाएंगे। फाइटर पहले सितंबर 2022 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन प्री-प्रोडक्शन में देरी होने की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। सिद्धार्थ आनंद की यह फिल्म अब साल 2024 में गणतंत्र दिवस के अवसर पर रिलीज होगी।

हर गाने में होगा नया फ्लेवर

इस फिल्म के गाने भी काफी धमाकेदार होने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फाइटर के हर गाने में रोमांस, देशभक्ति, इमोशन और डांस दिखाई देगा। फिल्म के हर गाने में एक अलग फ्लेवर होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर गाने में फाइटर की दुनिया की झलक दिखाई देगी। निर्माताओं ने फाइटर का टीजर और गाने दिसंबर और जनवरी में जारी करने की योजना बनाई हैं।

वहीं, इस फिल्म के साउंड मिक्सिंग पर भी काम किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म निर्माता और ऋतिक रोशन इस फिल्म के प्रमोशन पर भी ध्यान दे रहे हैं।

ऋतिक रोशन अपनी आगामी फिल्म फाइटर को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। एरियल एक्शन फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। इस फिल्म की रिलीज का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फाइटर में ऋतिक रोशन के अलावा दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अब फाइटर के टीजर की रिलीज डेट को लेकर अपडेट सामने आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माता जल्द ही इस फिल्म का टीजर जारी करने की तैयारी में हैं। कहा जा रहा है कि टीजर के बाद फिल्म के गाने और पोस्टर की झलक दिखाई जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार फाइटर का टीजर दिसंबर महीने के पहले सप्ताह रिलीज किया जाएगा। यह भी बताया जा रहा है कि फाइटर के टीजर का पोस्ट-प्रोडक्शन काम तेजी से चल रहा है।

झील के किनारे 8 सालों से बन रहा ये अजीब किला, रहस्य ने उड़ा रखी है लोगों की नींद!

पोलैंड में एक मानव निर्मित द्वीप पर बनाया जा रहा एक अजीब महल लगभग पूरा हो गया है, लेकिन ये रहस्य में डूबा हुआ है। कोई भी निश्चित नही हैं कि असल में यह विचित्र इमारत क्यों बनाई जा रही है और इसके निर्माण के पीछे किसका हाथ है। अब इस रहस्य ने लोगों की नींद उड़ा रखी है। इस संबंध में स्थानीय पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया है। यह प्रोजेक्ट, जिसके बारे में माना जाता है कि यह 2015 में शुरू हुआ था, बेहद विवादास्पद रहा है। किले के निर्माण के पीछे कौन? द सन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोटेक्टेड नेचर रिजर्व में बन रहे किले को लेकर सालों से एक सवाल बरकरार है कि इसके निर्माण के पीछे कौन है। किले के बारे में 2018 में लॉकल एनवायरमेंटल ग्रुप और अथॉरिटीज को जानकारी हुई थी। हालांकि, कुछ समय तक कोई भी नहीं जानता था कि इस किले को कौन बनवा रहा था। हालांकि, एक लोकल आउटलेट के अनुसार, अब रिपोर्टें पोलिश कंपनी डीजेटी की ओर इशारा करती हैं। हालांकि यह अभी तक साफ नहीं है कि कंपनी मध्यकालीन किले-शैली की प्रोपर्टी का निर्माण क्यों कर रही है। इससे पहले कुछ कॉन्सपिरेसी थ्योरीज ने सुझाव दिया कि दिवंगत पोलिश टाइकून जान कुलसीक, जिनकी 2015 में मृत्यु हो गई थी, ने अपनी मौत का नाटक रचा था और महल उनका था। झील के किनारे एक मानव निर्मित द्वीप पर बना ये किला देखने में बहुत ही सुंदरता लगता है, जिसका निर्माण अब लगभग पूरा हो चुका है, जिसमें मुखौटा, पूरी दीवारें और हर जगह खिड़कियां हैं। इसके चारों ओर फुटपाथ और एक्स्ट्रा इमारतें भी बनाई जा रही हैं। इस किले में सैकड़ों कमरे हो सकते हैं, जिसकी दीवारें लाल-भूरे रंग की ईंटों से बनी हैं, और छत के शीर्ष पर युद्ध के दौरान सदियों पहले इस्तेमाल किए गए कटआउट हैं। 2020 में लोकल पुलिस ने 7 लोगों को हिरासत में लिया। कथित तौर पर इनवेस्टर और एक लॉकल गवर्नर को पद से भी हटा दिया गया। पुलिस द्वारा पकड़े गए लोगों पर वातावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया। बिल्डिंग अथॉरिटीज्स की तमाम कोशिशों के बावजूद इसका निर्माण बदस्तूर जारी है। प्रोजेक्ट से जुड़े करीबी सूत्रों ने स्पष्ट रूप से कहा कि काम 2025 तक पूरा हो सकता है। जाहिर तौर पर इस प्रोजेक्ट की लागत लगभग 75 मिलियन है।

अजब-गजब | इस गांव में गर्मी में न तो एसी की जरूरत पड़ती और न ही सर्दी में हीटर की

यहां चूहों के बिल जैसे घरों में रहते हैं लोग

दुनिया अजीबोगरीब चीजों से भरी हुई है। ऐसी कई चीजें हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक अजीबोगरीब गांव है। इस गांव में लोग चूहों के बिल जैसे घरों में रहते हैं। यह अजीबोगरीब गांव ईरान में है। इस गांव को कंदोवन गांव के नाम से जाना जाता है। यहां सैंकड़ों सालों से लोग इसी तरह के घरों में रहते हैं। यह गांव अपने घरों की अजीब बनावट की वजह से काफी पॉपुलर है। इसके पीछे की कहानी आपको बता रहे हैं कि आखिर लोग चूहों के बिल जैसे घरों में क्यों रहते हैं।

दुनिया में कई गांव अपनी अजीबोगरीब परंपराओं के लिए मशहूर है। वहीं ईरान का कंदोवन गांव भी अपने घरों की बनावट के लिए मशहूर है। यहां लोग ऐसे घरों में रहते हैं, जो दिखने में बिल्कुल चूहों का बिल जैसे हैं। यहां लोग चूहों की बिल की तरह अपने घरों को क्यों बनाते हैं, इसके पीछे भी एक कारण है। जानते हैं इसके बारे में।

ईरान के कंदोवन गांव में बने घर देखने में अजीब लगते हैं लेकिन ये हैं काफी आरामदायक। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कंदोवन गांव करीब 700 साल पुराना है। यहां के घरों की खासियत यह है कि यहां गर्मी में न तो एसी की जरूरत पड़ती और ना ही सर्दी में हीटर की। दरअसल, गर्मी के मौसम में ये घर ठंडे रहते हैं और सर्दी में गर्म।

यहां रह रहे लोगों के अनुसार, ईरानियों ने यह गांव मंगोलों के हमलों से बचने के लिए बनाए थे। कंदोवन के प्रारंभिक निवासी यहां हमलावर मंगोलों से बचने के लिए आए थे। वे छिपने के लिए ज्वालामुखी चट्टानों में ठिकाना खोदा करते थे और वहीं उनका स्थायी घर बन जाता था। अब दुनियाभर में यह गांव अपने अनोखे घरों के लिए पहचाना जाने लगा है।

भारत जोड़ो यात्रा ने राजनीति को बदला : राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह देश नफरत का नहीं बल्कि मोहब्बत का देश है। इसलिए यात्रा में हमने नारा दिया- नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। उन्होंने दावा कि भारत जोड़ो यात्रा ने हिंदुस्तान की राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया है। तेलंगाना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज पार्टी के लिए प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा और केसीआर पर जमकर निशाना साधा।

बीआरएस पहुंचाती है भाजपा को लाभ

उन्होंने कहा कि वे एक ही टीम हैं। यहां, बीआरएस, बीजेपी और एआईएमआईएम एक टीम के रूप में मिलकर काम करते हैं। मुख्यमंत्री (केसीआर) के खिलाफ कोई मामला नहीं है। वह सबसे भ्रष्ट सरकार चलाते हैं...ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग उनके पीछे नहीं है। उन्होंने कहा कि वे (बीआरएस) महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने और बीजेपी का समर्थन करने के लिए काम करते हैं। अगर हम दिल्ली में पीएम मोदी को हराना चाहते हैं तो हमें पहले तेलंगाना में केसीआर को हराना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमित शाह कह रहे थे कि हम तेलंगाना को ओबीसी मुख्यमंत्री देंगे। अरे भैया! पहले आप 2 फीसद वोट तो लाओ।

मोदी के दिल में जो नफरत है, उससे लड़ रहा हूं

उन्होंने कहा कि मैं नरेंद्र मोदी जी के दिल में जो नफरत है, उससे लड़ता हूं। यह विचारधारा की लड़ाई है, जिससे मेरा परिवार वर्षों से लड़ रहा है। मेरे ऊपर 24 केस हैं, लेकिन ओवैसी जी पर एक भी केस नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पीछे हर वक्त इडी, सीबीआई व आईटी लगी रहती है, लेकिन ओवैसी जी के पीछे कौन सी ऐजेंसी है? ओवैसी जी, पीएम मोदी की मदद करते हैं, इसलिए वह उनको कुछ नहीं करते।

केसीआर व मोदी को हराना मेरा लक्ष्य

राहुल गांधी ने कहा कि मेरे दो लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य- मोहब्बत के देश से हमें नफरत मिटानी है। इसके लिए पहले यहां केसीआर को हराना है। दूसरा लक्ष्य- फिर नरेंद्र मोदी को दिल्ली में हराना है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में केसीआर ने दोराला सरकार चला रखी है, जबकि हम प्रजाला सरकार चाहते हैं। शराब, जमीन और रेत में सबसे ज्यादा पैसा बनता है और ये तीनों मंत्रालय केसीआर ने अपने रिश्तेदारों को दे रखे हैं। केसीआर केवल एक काम करते हैं और वो है- तेलंगाना की जनता से पैसा लूटना। उन्होंने कहा कि केसीआर जी..जिस यूनिवर्सिटी और कॉलेज में आप पढ़े, जिन सड़कों पर आप चलते हैं, जिन एयरपोर्ट्स से आप विदेश जाते हैं- उसे कांग्रेस ने बनाया। जिस हैदराबाद सिटी से आप करोड़ों रुपए चोरी करते हैं- उस मशहूर आईटी सिटी को अंतरराष्ट्रीय पहचान कांग्रेस ने दी। अब आपका समय खत्म हो गया है।

मणिपुर में उग्रवादी संगठनों पर कसेगा शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मणिपुर में संचालित मैतेई उग्रवादी समूहों पर प्रतिबंध बढ़ाने के फैसले पर विचार करने के लिए न्यायाधिकरण का गठन किया है। गृह मंत्रालय ने गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण का गठन किया है। गुवाहाटी हाई कोर्ट के न्यायाधीश संजय कुमार मेधी की सदस्यता में न्यायाधिकरण का गठन किया गया है।

न्यायाधिकरण यह फैसला करेगा कि मणिपुर के मैतेई उग्रवादी संगठनों के साथ-साथ उनके गुटों, विंग और फ्रंट संगठनों को गैरकानूनी घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं या नहीं। इससे पहले शवगृहों में रखे शवों पर सुप्रीम कोर्ट ने दखल देते शवों को दफनाने के लिए निर्देश जारी किए। अदालत ने कहा कि जिन शवों की पहचान हो गई है, उनके परिजन तीन दिनों के भीतर चिंहित स्थानों पर उनको दफना सकते हैं। वहीं पहचाने गए शवों के निकटतम संबंधियों को सूचित किया जाए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हए कहा कि जिन शवों की पहचान नहीं हो पाई है, उन्हें स्थानीय प्रशासन की निगरानी में दफनाया जाए।

शवगृहों में रखे गए शवों पर सुप्रीम फैसला

पहचाने गए मृतकों को 3 दिन में दफन किया, मणिपुर हिंसा मामले में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शवगृहों में रखे शवों पर सुप्रीम कोर्ट ने दखल देते हुए कहा कि हम शवों को खौलती कड़ाई पर नहीं रखना चाहते, साथ ही अदालत ने शवों को दफनाने के लिए निर्देश जारी किए। अदालत ने कहा कि जिन शवों की पहचान हो गई है, उनके परिजन तीन दिनों के भीतर 9 चिंहित स्थानों पर उनको दफना सकते हैं।

वहीं पहचाने गए शवों के निकटतम संबंधियों को 4 दिनों के भीतर सूचित किया जाए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश देते हए कहा कि जिन शवों की पहचान नहीं हो पाई है, उन्हें स्थानीय कलेक्टर की निगरानी में दफनाया जाए। शवों को गरिमामयी और समुदाय के रिवाजों के तरीके के तहत दफनाया जरा सके सुनवाई के दौरान सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश कॉलिन गोंजाल्विस से कहा कि आप शवों को दफनाने में बाधा क्यों डाल रहे हैं, इस शवों को अनिश्चितकाल तक पड़े रहने नहीं दिया जा सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ने 9 जगहों की पहचान करते हुए कहा है कि इन जगहों के बाहर शवों को दफनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि सिविल सोसाइटी इस बात पर जोर दे रही हैं कि शवों को कुछ अज्ञात जगहों पर दफनाना चाहिए, इस बात से तनाव पैदा हो रहा है। इसीलिए पहचानी गई 9 जगहों पर ही शवों को दफन किया जाए। इसके लिए अदालत ने दो हफ्ते का समय दिया है।

एएसआई ने फिर मांगा समय, कोर्ट में नहीं पेश की जा सकी सर्वे रिपोर्ट

वाराणसी। पिछले हफ्ते मामले की सुनवाई करते हुए, जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को 28 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था। एएसआई ने ज्ञानवापी परिसर का गहन सर्वेक्षण किया, जो वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के करीब है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या 17वीं शताब्दी में बनी मस्जिद एक पुराने हिंदू मंदिर के शीर्ष पर बनाई गई थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने वाराणसी जिला अदालत में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की अपनी वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए 21 दिन और मांगे हैं। यह तब हुआ जब एएसआई को सोमवार, 28 नवंबर को अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी। पहले एएसआई को रिपोर्ट सौंपने के लिए 17 नवंबर तक का समय दिया गया था लेकिन उसके वकील ने अदालत से 15 दिन और मांगे। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, तकनीकी रिपोर्ट नहीं आने के कारण एएसआई ने और समय मांगा। पिछले हफ्ते मामले की सुनवाई करते हुए, जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को 28 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

संक्षिप्त खबरें

मथुरा में दर्दनाक सड़क हादसा, बारातियों से भरा ट्रैवलर टकराया, चार की मौत

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में देर रात आगरा दिल्ली नेशनल हाईवे पर बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां हरियाणा से मथुरा आई बरात का ट्रैवलर किसी वाहन से टकरा गया। इस भीषण हादसे में चार बरातियों की मौत हो गई, जबकि आठ लोगों के घायल होने की सूचना है। ये हादसा थाना कोसीकलां क्षेत्र के अंतर्गत आगरा दिल्ली नेशनल हाईवे पर हुआ। बताया गया है कि हरियाणा के पलवल से मथुरा में बरात आई थी। सभी बराती दावत खाने के बाद टैपो ट्रैवलर से वापस जा रहे थे। रास्ते में किसी अज्ञात वाहन से ट्रैवलर टकरा गया। हादसे में चार बरातियों की मौत हो गई, जबकि आठ बराती घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही कोसीकलां थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूचना मिलने के बाद मृतकों के घरवाले भी मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद शादी वाले घर में कोहराम मचा हुआ है।

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से यूपी में बढ़ेगी नमी, बारिश के बन रहे आसार

लखनऊ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 29 नवंबर की रात से एक और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बारिश के अनुकूल परिस्थितियां बनाएगी। इसके चलते अरब सागर से आ रही नमी का प्रभाव दो दिसंबर तक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश का मौसम तेजी से बदल रहा है। मंगलवार के दिन की शुरुआत जहां कोहरे से हुई तो दिन चढ़ने के साथ अच्छी धूप भी निकली। कोहरे का यह असर कमोवेश पूरे यूपी में देखने को मिला। सर्दियों के मौसमी उतार-चढ़ाव तेजी से शुरू हो चुके हैं। मंगलवार को सीजन का पहला घना कोहरा प्रदेश में छाया रहा। फुर्सतगंज रायबरेली में तो दृश्यता 20 मीटर तक ही रही। वहीं लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या में 50 मीटर तक रही दृश्यता। मौसम विभाग ऐसे ही हाल एक दो दिन तक बने रहने के आसार जता रहा है। साथ ही दो दिसंबर से प्रदेश में बारिश के भी आसार हैं। इसके साथ ही पुरवा हवा चलने के कारण दो दिसंबर तक बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। प्रदेश के पश्चिमी भाग में 30 नवंबर तक और दक्षिण उत्तर प्रदेश में दो दिसंबर तक बूंदाबांदी के साथ ही छिटपुट बारिश हो सकती है। आगामी एक दो दिन तक प्रदेश के कई इलाकों में सुबह के समय मध्यम से घना कोहरा छाया रहने के आसार हैं।

गायकवाड़ पर भारी पड़ी मैक्सवेल के रनों की दहाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विशाल स्कोर बनाने के बाद भी भारत को हार का सामना करना पढ़ा। इसके पीछे भारत की खराब फील्डिंग और खराब गेंदबाजी रही। हालांकि, मैच आखिर तक करवट बदल सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत की हार का सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट आखिरी ओवर्स रहे। जब स्लो ओवर रेट की वजह से केवल चार फील्डर ही बाउंड्री पर मौजूद थे।

गौरतलब हो कि गुवाहाटी में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में ग्लेन मैक्सवेल की शतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 223 रनों का लक्ष्य मिला था, लेकिन मैक्सवेल भारत की जीत के बीच में आ गए। पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 2-1 पर खड़ी है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर

भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया था। भारत की बल्लेबाजी शानदार रही। ऋतुराज गायकवाड़ (123) ने तिलका वर्मा (31) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए नाबाद 141 रन की साझेदारी कर भारत को बड़े टोटल तक पहुंचाया। कप्तान सूर्यकुमार ने 39 रन की पारी खेली। बता दें कि भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर 5 विकेट खोकर 225 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। ग्लेन मैक्सवेल ने नाबाद 104 रन की पारी खेली। पांच मैचों की सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने एक जीत के साथ वापसी की है।

स्लो ओवर रेट से भारत को लगा झटका

भारत को आखिरी ओवर में स्लो ओवर रेट का खामियाजा भुगतना पड़ा। धीमे ओवर रेट की वजह से आखिर में केवल चार फील्डिर ही 30 यार्ड सर्कल के बाहर थे। इसका फायदा ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को मिला। आखिरी ओवर में भारत को 21 रन बचाने थे, जो कि नहीं हो सका।

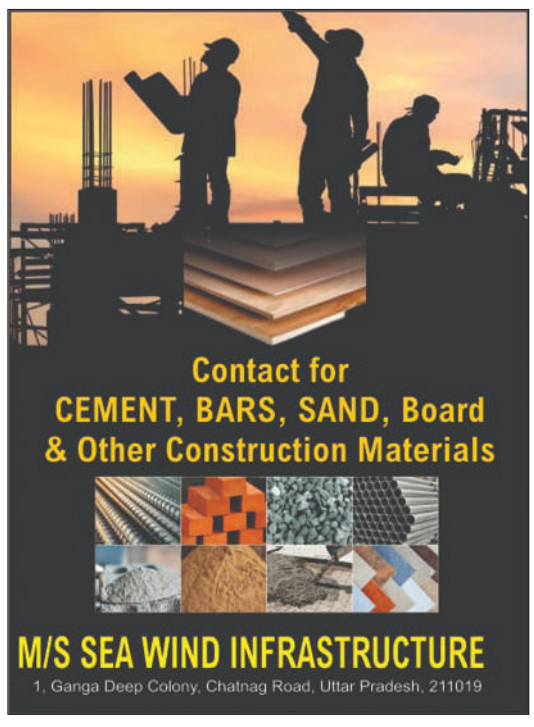

तेलंगाना में कल पड़ेंगे वोट, सभी तैयारियां पूरी

बीआरएस-119, कांग्रेस-118 व बीजेपी 111 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, पूरे राज्य में धारा 144 लगी, 119 सीटों पर 2,290 प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में कल (30 नवंबर) मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। 119 सीटों के लिए सभी सियासी दलों ने भी कमर कस ली है। सीईओ के अनुसार, पूरे राज्य में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। राज्य की सत्ता में काबिज बीआरएस ने सभी 119 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सीट बंटवारे के समझौते के अनुसार, भाजपा और जन सेना क्रमशः 111 और 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने सहयोगी सीपीआई (एम) को एक सीट दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 30 नवंबर को निर्धारित मतदान दिवस के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी हो गई हैं।

3.26 करोड़ मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

आगामी चुनावों के लिए 2,290 प्रतियोगी मैदान में हैं, जिनमें बीआरएस सुप्रीमो और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव, उनके मंत्री-बेटे केटी रामा राव और भाजपा के लोकसभा सदस्य बंदी संजय कुमार, डी अरविंद और सोयम बापुराव शामिल हैं।

दिग्गजों ने किया जमकर प्रचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान के दौरान कई सभाओं को संबोधित किया, इसके अलावा भारी धूमधाम के बीच हैदराबाद में एक रोड शो किया, जबकि केसीआर ने 96 चुनावी रैलियों में भाग लिया। पीएम मोदी के अलावा, राजनाथ सिंह और अमित शाह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने अपनी-अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे।

चुनाव आयोग द्वारा 9 अक्टूबर को कार्यक्रम की घोषणा के बाद राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। राज्य में 3.26 करोड़ पात्र मतदाता हैं।

बीआरएस लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि कांग्रेस उससे सत्ता छीनने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है। सत्ता तक पहुंचने के लिए बीजेपी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। केसीआर दो क्षेत्रों-गजवेल और कामारेड्डी से चुनाव लड़ रहे हैं और रेवंत रेड्डी कोडांगल और कामारेड्डी से भी चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने अपने विधायक एटाला राजेंदर को हुजूराबाद के अलावा गजवेल से मैदान में उतारा, जहां वह मौजूदा विधायक हैं।

संक्षिप्त खबरें

म्यूनिख से बैंकॉक जाने वाली फ्लाइट की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। म्यूनिख से बैंकॉक जाने वाली लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट (एलएच-772) को बुधवार सुबह दिल्ली डायवर्ट किया गया। दिल्ली एयरपोर्ट सूत्र ने जानकारी दी कि इस समय दिल्ली अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षाकर्मी पहुंच चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, यात्रियों की वजह से फ्लाइट को दिल्ली डायवर्ट किया गया। कुछ दिनों पहले खराब मौसम की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट पर हवाई यातायात बाधित रहने के कारण विस्तारा की राजधानी आनेवाली दो फ्लाइट्स को दो अन्य जगहों पर डायवर्ट किया गया था। पहली फ्लाइट, जो कोलकाता से दिल्ली आनेवाली थी, उसे लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी फ्लाइट, जो गुवाहाटी से दिल्ली आनेवाली थी, उसे जयपुर डायवर्ट किया गया।

सीएम शिंदे पर आपत्तिजनक बयान देने के मामले में यूबीटी नेता दलवी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता और शहर के पूर्व महापौर दत्ता दलवी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भांडुप थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि रविवार को उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना द्वारा उपनगर भांडुप में एक सभा आयोजित की गई थी जिसमें दलवी ने कथित तौर पर शिंदे के खिलाफ कुछ आपत्तिजनक बयान दिए। इस आधार पर दलवी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारी के अनुसार दलवी को बुधवार को भांडुप इलाके से गिरफ्तार किया गया। मामले में जांच जारी है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख के खिलाफ मानहानि की शिकायत को खारिज करने का आदेश रद

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के पूर्व सांसद के. सी. पलानीसामी द्वारा अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत को खारिज करने वाले निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति जी जयचंद्रन ने के. सी. पलानीसामी की याचिका पर यहां मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। एडप्पादी पलानीस्वामी (ईपीएस) ने के. सी. पलानीसामी (केसीपी) पर अवैध रूप से धन प्राप्त करने और फर्जी सदस्यता कार्ड वितरित करने का आरोप लगाया था। इसके बाद, के. सी. पलानीसामी ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई और दावा किया कि एडप्पादी पलानीस्वामी ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।

नहीं रुक रहीं यूपी में शर्मनाक घटनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंदायू। योगी राज में कानून व्यवस्था की तारीफ करने वालों को बंदायू जिले से एक अमानवीय घटना आइना दिखा रही है। इस घटना में बदायूं में सार्वजनिक नल से पानी पीने पर कुछ लोगों ने 24 वर्षीय दलित युवक की कथित तौर पर डंडों से पिटाई कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

- **पानी पीने पर दलित युवक को पीट-पीटकर मार डाला**
- **सार्वजनिक नल का प्रयोग कर रहा था कमलेश**

लाठियों से किया था हमला

हालांकि, बाद में जब कमलेश खेत से लौट रहा था, तो तीनों आरोपियों ने उस पर लाठियों से हमला कर दिया, जिससे उसे कई चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आरोपी भाग गए। मौके पर पहुंचे कुछ स्थानीय निवासी और कमलेश के परिवार के सदस्य उसे अस्पताल ले गए थे। जहां उसकी मौत हो गई।

अपर पुलिस अधीक्षक अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि उसहैत थाना पुलिस को दी गई तहरीर में मृतक के पिता जगदीश ने आरोप लगाया है कि सोमवार की रात उनके बेटे कमलेश (24) की सूरज राठौड़ और उसके साथियों ने नल से पानी पीने पर डंडे से पिटाई कर दी उन्होंने शिकायत के हवाले से बताया कि कमलेश को अस्पताल ले जाया गया जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस घटना में नामजद सूरज राठौड़ को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्रीवास्तव ने कहा कि कमलेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं और इसकी जांच उज्ञानी के क्षेत्राधिकारी करेंगे।

फोटो: सुमित कुमार

धरना विधानसभा की ओर बढ़ रहे अभ्यर्थियों को विकास दीप पर पुलिस ने रोका, सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शन कर रहे महिला और पुरुष अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।

वोटर को रिश्वत देने के आरोप में कांग्रेस एमएलए के खिलाफ केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के नामपल्ली क्षेत्र के कांग्रेस विधायक के खिलाफ एक वोटर को एक लाख रुपये रिश्वत के तौर पर देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस सांसद फिरोज खान के खिलाफ आरपी एक्ट की धारा 71सी, 188 और 123 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उधर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी हैदराबाद के चार मीनार के श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर में पूजा करने पहुंचे। उन्होंने उत्तरकाशी के सुरंग में फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकालने का श्रेय देवी भाग्य लक्ष्मी के आशीर्वाद को दिया है। उन्होंने कहा, देवी भाग्य लक्ष्मी के आशीर्वाद से उत्तरकाशी की सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

सुरंग से निकाले गए मजदूर स्वस्थ, एम्स में होंगे शिफ्ट

- **पीएम व सीएम ने श्रमिकों का जाना हालचाल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल से निकाले गए सभी 41 मजदूर सुरक्षित और स्वस्थ हैं। इन्हें चिन्यालीसौड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों और मेडिकल एक्सपर्ट्स की देखरेख में रखा गया। यहां रात भर इन्होंने आराम किया। उत्तराखंड के सीएम धामी ने 1-1 लाख देने की घोषणा की है।

मजदूरों को देर रात और सुबह नार्मल डाइट दी गई। उनकी मेंटल हेल्थ की काउंसलिंग की जा रही है। उत्तरकाशी के सीएमओ आरसीएस पवार ने बुधवार को सुबह बताया कि सारे मजदूर स्वस्थ हैं। उनको दोपहर तक एम्स ऋषिकेश शिफ्ट किया जाएगा।

कोई फोन पर लूडो खेला, तो कोई प्राकृतिक पानी में नहाया

41 श्रमिकों में से एक विश्वजीत कुमार वर्मा ने बुधवार को अपनी आपबीती सुनाई। श्रमिक ने कहा कि उसे और फंसे हुए अन्य लोगों को सुरंग के अंदर भोजन उपलब्ध कराया गया था। अपने फोन पर लूडो खेलना, प्राकृतिक पानी में स्नान, मुरमुरे और इलायची के दानों का स्वाद-उत्तरकाशी सुरंग के अंदर बिताए गए लंबे घंटों ने झारखंड के खूंटी जिले के निवासी 32 वर्षीय चमरा ओरांव पर एक अमिट छाप छोड़ी है। चमरा ओरांव उन 41 लोगों में से एक था जो सुरंग में फंस गया था और 17 दिनों बाद वापस निकला। अस्पताल ले जाते समय मीडिया से बात करते हुए ओरॉव ने कहा कि ताज़ी हवा की गंध एक नए जीवन की तरह महसूस हुई। उन्होंने कहा, उसे बचाने का श्रेय 17 दिनों तक अथक प्रयास करने वाले बचावकर्मियों और ईश्वर को जाता है।

रेस्क्यू से कुछ पल पहले ही एक श्रमिक के पिता ने तोड़ा दम

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की सुरंग में फंसे 41 मजदूर अब बाहर आ चुके हैं। इन मजदूरों के इंतजार में पिछले 17 दिनों से उनका परिवार राह देख रहा था। हालांकि, बाहर निकलने पर मजदूरों के चेहरे पर खुशी तो देखी गई। मगर इन 41 मजदूरों में से एक मजदूर ऐसा बदनसीब रहा कि जब वह बाहर आया, तो उसके सिर से पिता का साया उठ चुका था। इस मजदूर का नाम भक्तू मुर्मू है, जो झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले का रहने वाला है। पिता की मौत की खबर सुनते ही भक्तू फूट-फूटकर रोने लगा। 29 वर्षीय भक्तू पूर्वी सिंहभूम जिले के बांकीशील पंचायत स्थित बाहदा गांव का रहने वाला है। उसके 70 वर्षीय पिता बासेत उर्फ़ बारसा मुर्मू गांव में ही थे। जब उन्हें अपने बेटे के सुरंग में फंसे होने की जानकारी मिली तो बारसा मुर्मू की बेटे की याद में सदमे में जाने के चलते उनकी मौत हो गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।